एक दिन में 14 मौतें, 400 से ज्यादा नए मामले

चिंताजनक ▸ देश में अब तक 142 लोगों की मौत, 4,602 संक्रमित

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 120 नए मामले, सात लोगों की गई जान

कोरोना वायरस पर नियंत्रण के लिए जारी राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के बीच मुंबई के एक कैंप में आराम करते प्रवासी श्रमिक। यहां शीरिक दूरी बनाए रखने का समुचित ख्याल रखा गया है। श्रमिकों के बिस्तर दूर-दूर लगाए गए हैं। एएनआइ

नई दिल्ली, एजेंसियां : देश में कोरोना वायरस से संक्रमण का मामला तेजी से बढ़ते जा रहा है। सोमवार को भी चार सौ से ज्यादा नए मामले सामने आए और संक्रमितों का आंकड़ा साढ़े चार हजार को पार कर गया। त्रिपुरा में पहला मामला सामने आया है और 44 साल की एक महिला को संक्रमित पाया गया है। जबकि, 14 लोगों ने दम तोड़ दिया है और मरने वालों की कुल संख्या भी 142 हो गई है। करीब साढ़े तीन सौ लोग अब तक पूरी तरह से ठीक भी हुए हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। हालांकि, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक इस महामारी से देश में अभी तक 111 लोगों की जान गई है, 4281 लोग संक्रमित हुए हैं और 318 लोग पूरी तरह स्वस्थ भी हो चुके हैं।

राज्य सरकारों से मिली सूचनाओं के मुताबिक देशभर में मरने वालों की संख्या 142 है। सोमवार को महाराष्ट्र में सात, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में दो-दो और राजस्थान, पंजाब, व तमिलनाडु में एक-एक व्यक्ति की जान चली गई। इस तरह महाराष्ट्र में मरने वालों की संख्या 52 हो गई है। संक्रमण के 413 नए मामले सामने आए हैं और यह आंकड़ा 4602 पर पहुंच गया है। अब तक 344 लोग पूरी तरह स्वस्थ हुए हैं। अगर हम राज्यवार महामारी से संक्रमितों की बात करें तो महाराष्ट्र में एक दिन में सबसे ज्यादा 120 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से अकेले मुंबई में 68 और पुणे में 41 मामले शामिल हैं। राज्य में संक्रमितों की संख्या 868 हो गई है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित निजी आवास मातोश्री के पास चाय बेचने वाले एक व्यक्ति को भी संक्रमित पाया गया है। इसके बाद नगर निगम ने पूरे इलाको को सैनिटाइज किया है।

तमिलनाडु में सोमवार को 50 नए मामले सामने आए, इनमें 48 तब्लीगी जमात से जुड़े हैं। राज्य में संक्रमितों की संख्या 621 हो गई है। आंध्र प्रदेश में 37 नए मामले मिले हैं और कुल संक्रमित 303 हो गए हैं। तेलंगाना में भी पिछले चौबीस घंटे में 45 नए मामले सामने आए हैं और संक्रमितों की संख्या 334 हो गई है। जबकि, कर्नाटक में 12 नए केस मिले और संख्या 163 हो गई।

केरल में 13 नए केस मिले हैं, जिसे में दो जमाती हैं। राज्य में संक्रमितों की संख्या 327 हो गई है। गुजरात में 18 नए मामले सामने आए हैं। इनमें 10 तब्लीगी जमात से जुड़े लोग हैं। नए केस में 14 महीने का एक बच्चा भी शामिल है। हाल फिलहाल यह बच्चा कहीं बाहर भी नहीं गया था। राज्य में संक्रमितों की संख्या 146 हो गई है।

राजस्थान में 35 नए केस मिले हैं, जिनमें छह तब्लीगी हैं। कुल संक्रमितों की संख्या 301 हो गई है। हरियाणा में 20 नए मामले मिले हैं जिनमें 12 तब्लीगी हैं। राज्य में कुल 96 संक्रमित हो गए हैं। आठ नए मामलों के साथ पंजाब में संक्रमितों की संख्या 79 हो गई है।

दिल्ली में और 10 तब्लीगी संक्रमित मिले : दिल्ली में 20 केस सामने आएं है। इनमें 10 जमाती हैं और संक्रमितों की संख्या 523 हो गई है। जम्मू-कश्मीर में भी तीन नए केस सामने आए हैं और 109 संक्रमित हो गए हैं। उत्तराखंड में चार नए मामले सामने आए हैं, ये चारों जमाती हैं और संक्रमितों की संख्या 31 हो गई है। झारखंड में एक मामला सामने आया है जो जमाती है कुल चार संक्रमित हो गए हैं।

राज्य	नए मामले	तब्लीगी
तमिलनाडु	50	48
उत्तर प्रदेश	33	29
दिल्ली	20	10
गुजरात	16	10
राजस्थान	35	6
उत्तराखंड	4	4
केरल	13	3
झारखंड	1	1

उत्तर प्रदेश में 29 नए संक्रमित तब्लीगी

मध्य प्रदेश में 23 नए मामले मिले हैं, इनमें एक जमाती है। कुल संक्रमित 251 हो गए हैं। उत्तर प्रदेश में 33 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें 29 तब्लीगी हैं। राज्य में संक्रमितों की संख्या 317 हो गई है।

देश में कुल संक्रमित

राज्य	संक्रमित
महाराष्ट्र	868
तमिलनाडु	621
दिल्ली	523
केरल	327
उत्तर प्रदेश	317
आंध्र प्रदेश	303
राजस्थान	301
मध्य प्रदेश	251
तेलंगाना	234
कर्नाटक	163
गुजरात	146
जम्मू-कश्मीर	109
हरियाणा	96
पंजाब	79
बंगाल	49
उत्तराखंड	31
बिहार	30
असम	29
ओडिशा	40
चंडीगढ़	18
लद्दाख	14
हिमाचल प्रदेश	14
अंडमान-निकोबार	10
छत्तीसगढ़	10
गोवा	7
पुडुचेरी	4
झारखंड	4
मणिपुर	2
मिजोरम	1

रांची में एक और महिला मिली कोरोना पॉजिटिव

राज्य ब्यूरो, रांची

▸ जिम्मेदार मुस्लिम भी मान रहे, तब्लीगी जमातियों ने सबको खतरे में डाला

झारखंड में भी कोरोना ने तेजी से पैर पसारना शुरू कर दिया है। सोमवार को लगातार दूसरे दिन इसका एक और पॉजिटिव केस मिला। इसके साथ ही अब झारखंड में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या चार हो गई है। कोरोना की चौथी मरीज रांची के हिंदपीढ़ी की रहने वाली एक 54 वर्षीय महिला है। हिंदपीढ़ी में रह रही एक मलेशियाई महिला भी एक हफ्ते पहले ही कोरोना पॉजिटिव पाई गई है। माना जा रहा है कि दूसरी संक्रमित महिला भी मलेशियाई महिला के संपर्क में आने के बाद ही संक्रमण का शिकार हुई है, क्योंकि इस महिला के घर के पास के ही एक घर से तब्लीगी जमात से जुड़ी मलेशियाई महिला को बरामद किया गया था। हिंदपीढ़ी की जिस महिला में कोरोना का संक्रमण पाया गया है, उसकी दोनों किडनी खराब है। रिम्स में तीन महीने से उसका डायलिसिस भी हो रहा है। अभी उसे रिम्स ट्रामा सेंटर के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती किया गया है। जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उसके परिवार के सात सदस्यों को सैंपल जांच के लिए रिम्स भेजा।

कोरोना के कैरियर बन चुके तब्लीगी जमात के लोगों ने झारखंड वासियों की भी चिंता बढ़ा दी है। राज्य के चार कोरोना संक्रमितों में तीन महिलाएं तब्लीगी जमात से ही जुड़ी हैं। वहीं निजामुद्दीन से तब्लीगी जमात में शामिल होकर लौटे दर्जनों लोग अभी भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में रह रहे हैं। संक्रमण का खतरा बरकरार है। ऐसे में अब मुस्लिम समाज के जिम्मेदार लोग भी यह मानते हैं कि जमातियों ने अपने साथ-साथ बड़ी संख्या में लोगों को खतरे में डाल दिया। यहां मुस्लिम समाज एक बड़े तबके ने तब्लीगियों के प्रति भी नाराजगी जताते हुए कहा है कि ऐसे लोगों को देश और समाज के बारे में सोचना चाहिए।

तब्लीगी जमात का मूवमेंट गलत

डोरंडा में स्थित बाबा रिसालदार गद्दी मजार कमेटी के अध्यक्ष हाजी रऊफ गद्दी ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के बीच तब्लीगी जमात का मूवमेंट गलत है। ऐसे संकट के समय तब्लीगी जमात में लोगों को नहीं निकलना चाहिए था और शारीरिक दूरी का पालन करना चाहिए था। देश में लागू लॉकडाउन का पालन करना चाहिए था। जिन लोगों पर समाज को जागरूक करने की जिम्मेदारी है, वही नियम तोड़ रहे हैं। रांची के शहर काजी मसूद फरीदी कहते हैं कि अगर किसी मस्जिद में जमात के लिए विदेशी ठहरे हैं तो इसकी जानकारी थाना या प्रशासन को देनी चाहिए थी। इस मामले में स्थानीय लोगों से भी गलती हुई है। अभी भी समय है। इसलिए लोगों से अपील है कि घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

भारत में भी बुजुर्गों के लिए घातक साबित हो रहा वायरस

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दुनिया के अन्य देशों की तरह भारत में भी कोरोना वायरस बुजुर्गों के लिए घातक साबित हो रहा है। कोरोना के कारण देश में अब तक हुई 109 मौतों का विश्लेषण करते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि वैसे तो कुल मरीजों में 60 साल से अधिक उम्र के 19 फीसदी लोग हैं, लेकिन मृतकों में उनकी संख्या 63 फीसदी से अधिक है। 30 फीसदी मौतें 40 से 60 साल के लोगों की हुई है। जबकि इस आयु वर्ग के 34 फीसदी लोग कोरोना से ग्रसित हैं। इस वायरस से सबसे सुरक्षित 40 साल से कम उम्र के युवा हैं।

देश में इससे ग्रसित 40 साल के कम उम्र के युवाओं की संख्या 47 फीसदी है, जबकि मृतकों में इनकी संख्या सात फीसद ही है। यदि युवा भी पहले से किसी गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं, तो कोरोना उनके लिए घातक साबित हो सकता है। भारत में अभी तक मृतकों में अभी 86 फीसद ऐसे लोग हैं, जिनमें डायबिटीज, किडनी और दिल से संबंधित बीमारियां पहले से थीं। कोरोना के मरीजों का लैंगिक आधार पर विश्लेषण करें, तो अब तक मिले केस में 76 फीसद पुरुष और 24 फीसद महिलाएं हैं। मृतकों में महिलाओं का अनुपात थोड़ा ज्यादा है। मृतकों में 73 फीसद पुरुष और 27 फीसद महिलाएं हैं। कोरोना के मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ ही मृतकों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब तक कुल 109 लोगों की कोरोना के कारण मौत हुई है।

उप्र में लॉकडाउन के उल्लंघन पर 32 हजार से ज्यादा गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : लॉकडाउन में उप्र शासन के निर्देशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि कोरोना संक्रमण के मद्देनजर लॉकडाउन की अवधि में अब तक धारा 188 के तहत 9955 मुकमदे दर्ज कर 32 हजार से ज्यादा आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है।

इसके अलावा सघन चेकिंग के दौरान 17,244 वाहनों को सीज किया गया है, जबकि आवश्यक सेवाओं के लिए करीब डेढ़ लाख वाहनों को परमिट भी जारी किए गए। अवस्थी ने बताया कि कालाबाजारी व जमाखोरी की शिकायतों पर भी कार्रवाई की जा रही है। ऐसे 276 आरोपितों के विरुद्ध 203 एफआइआर दर्ज की गई हैं।

अजमेर के चिश्ती नगर में स्वास्थ्यकर्मियों से अभद्रता

संवाद सूत्र, अजमेर

राजस्थान में अजमेर जिले के सोमलपुर स्थित चिश्ती नगर में स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्यकर्मियों से अभद्र व्यवहार किया है। पुलिस ने इस मामले में 19 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अभद्र व्यवहार को लेकर स्वास्थ्यकर्मियों ने अजमेर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा। गौरतलब है कि इससे पहले इंदौर में भी स्वास्थ्यकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया था।

जानकारी के मुताबिक स्वास्थ्यकर्मी चिश्ती नगर में लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी एकत्रित करने गए थे, लेकिन कुछ लोगों ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्यकर्मियों के पास जांच का कोई उपकरण नहीं था, इसलिए उन्होंने उनका विरोध किया। उपकरणों के बगैर स्वास्थ्य की जांच कैसे हो सकती है? स्वास्थ्यकर्मियों का कहना था कि यह जांच का पहला चरण है, जिसमें परिवारों के सदस्यों की बारे में जानकारी एकत्रित की जाती है। इसका मकसद यह भी पता लगाना होता है कि कोई बाहर से तो नहीं आया है। इस प्राथमिक जानकारी के बाद ही द्वितीय चरण में लोगों के स्वास्थ्य की जांच चिकित्सा उपकरणों से की जाती है। स्वास्थ्य कर्मियों के प्रतिनिधि विनोद मीणा ने मांग की है कि कर्मचारियों, खासकर महिला स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए। चिश्ती नगर मामले में रामगंज थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर लोगों को समझाने का प्रयत्न किया लेकिन लोगों ने अनसुना कर दिया। वे पुलिस के साथ भी अच्छी तरह से पेश नहीं आए।

कोरोना के मरीजों का इलाज करने वाली महिला चिकित्सक पर हमला

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रीय महिला आयोग ने गुजरात पुलिस को निर्देश दिया है कि वह सूरत में कोरोना के मरीजों का इलाज करने वाली महिला चिकित्सक पर पड़ोसियों द्वारा हमले की जांच करे। सूरत सिविल अस्पताल में काम कर रही डॉक्टर को उसके पड़ोसियों द्वारा शारीरिक रूप से प्रताड़ित किए जाने का वीडियो वायरल होने के बाद यह मामला सामने आया। इसकी गंभीरता को देखते हुए महिला आयोग ने गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा को इसकी जांच के लिए लिखा है।

महिला आयोग ने एक बयान में कहा कि हम इस घटना की पूरी तरह से जांच करने और महिला चिकित्सक को सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश देते हैं। आयोग ने पुलिस महानिदेशक को विस्तृत कार्रवाई रिपोर्ट भेजने के लिए भी कहा है। इसने कहा है कि हम कथित घटना से परेशान और डॉक्टरों की सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं, जो कोरोना महामारी के खिलाफ दुनियाभर में अग्रिम मोर्चे पर काम कर रहे हैं।

अब एक घंटे में होगी कोरोना वायरस की जांच, आइसीएमआर ने दी मान्यता

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर

▸ मेड इन इंडिया है उपकरण, एक टेस्ट कराने पर खर्च सिर्फ 1350 रुपये

▸ टाटा ट्रस्ट करता है इसे बनाने वाले इंडियन हेल्थ फंड का संचालन

टाटा ट्रस्ट की ओर से संचालित इंडियन हेल्थ फंड की मोल्बियो डायग्नोस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने एक टेस्ट किट टूनेटा बीटा कोव तैयार किया है। इससे कोविड-19 (कोरोना वायरस) रोगी की जांच रिपोर्ट मात्र एक घंटे में आएगी। इस जांच में मात्र 1350 रुपये ही खर्च आएगा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) ने इस टेस्टिंग किट को मान्यता दे दी है।

कोविड-19 संक्रमित एक रोगी की ब्लड जांच रिपोर्ट आने में न्यूनतम आठ घंटे लग जाते हैं, जबकि निजी लैब में इस जांच पर 4500 रुपये का खर्च आता है। अब टाटा ट्रस्ट की इंडियन हेल्थ फंड ने अपने किट से थोड़ी राहत दी है।

टीबी जांच में इस किट का हुआ था इस्तेमाल

इस किट का वर्तमान में उत्तर प्रदेश के जिला अस्पतालों व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में टीबी और रिफैम्पिसिन प्रतिरोध के निदान के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। कोविड-19 की स्क्रीनिंग करने के लिए मोल्बियो डायग्नोस्टिक द्वारा उक्त किट में ट्लेब रियल टाइम क्वांटिटेटिव माइक्रो पीसीआर सिस्टम के रूप में अतिरिक्त फीचर जोड़ा गया है।

जल्द रिपोर्ट आने से तेजी से शुरू हो सकेगी प्रक्रिया : मोल्बियो डायग्नोस्टिक प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य तकनीकी अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर नायर के अनुसार यह किट समय की जरूरत है जो आवश्यक वित्तीय सहायता के साथ फास्ट ट्रैक मोड में आणविक डायग्नोस्टिक तक पहुंचने में मदद देगी। उन्होंने आगे बताया कि जल्द रिपोर्ट आने से संक्रमित रोगी की रिपोर्टिंग व उसके अलगाव की प्रक्रिया शुरू करने में तेजी आएगी। इससे संक्रमण फैलने का खतरा कम होगा। इसे देखते हुए यह कहा जा सकता है कि इस किट की मदद से प्रक्रिया में तेजी आएगी और कोविड-19 को नियंत्रित करने में भी मदद मिलेगी।

अमृतसर नगर निगम के पूर्व एडिशनल कमिश्नर की मौत

जेएनएन, जालंधर : पंजाब में कोरोना वायरस के संक्रमण के कारण सोमवार को आठवीं मौत हो गई। अमृतसर नगर निगम के पूर्व एडिशनल कमिश्नर ने फोर्टिस अस्पताल में दम तोड़ दिया। रविवार शाम उनकी प्रारंभिक रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। मौत के बाद सोमवार को उनके फिर से सैंपल लिए गए थे, जिसकी रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई।

राज्य में नौ दिनों में यह सातवीं, जबकि बीते दो दिनों में तीसरी मौत है। रविवार को पठानकोट व लुधियाना में दो महिलाओं की जान गई थी। सोमवार को आठ नए पॉजिटिव केस आए, जिसके बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 79 पहुंच गई है। कोरोना का संक्रमण फतेहगढ़ साहिब भी पहुंच गया है। यहां तब्लीगी जमात से संबंधित दो महिलाएं पॉजिटिव पाई गईं। दोनों महाराष्ट्र के औरंगाबाद की रहने वाली हैं और कई लोगों के संपर्क में आ चुकी हैं। विभाग ने 17 के सैंपल लिए हैं।

मुरादाबाद के 129 लोग पासपोर्ट में दर्ज फर्जी पते पर घूम आए विदेश

रितेश द्विवेदी, मुरादाबाद

▸ पासपोर्ट में दर्ज पते की लोकेशन नहीं हो सकी ट्रेस

▸ डीएम ने दोबारा थाना स्तर पर जांच के दिए निर्देश

उप्र के मुरादाबाद में कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर विदेश से आए लोगों की ट्रैवेल हिस्ट्री खंगालने पर 129 ऐसे लोगों का पता चला है जो पासपोर्ट में दर्ज पते पर नहीं मिले हैं। उनकी लोकेशन पुलिस खोज नहीं सकी। सर्विलांस टीम को भी नाकामी हासिल हुई है। पते फर्जी होने की आशंका के चलते दोबारा थाना स्तर से उनकी तलाश हो रही है।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से भेजी सूची में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 22 मार्च 2020 तक विदेश यात्रा से 1286 लोग लौटकर आए। इनमें से 1138 लोगों का पता लगा लिया गया है। पुलिस उन तक पहुंच गई। सभी घरों पर 14 दिनों के लिए क्वारंटइन हैं। हालांकि प्रशासन ने सेल्फ डिक्लेरेशन की सुविधा भी दी थी लेकिन, इन 129 लोगों ने कोई जानकारी नहीं भेजी। ये लोग एयरपोर्ट से बाहर निकले और प्रशासन और पुलिस के लिए पहेली बन गए। इनका ट्रैवेल रिकार्ड नहीं मिल रहा है। 456 लोगों ने तो ऑनलाइन सेल्फ डिक्लेरेशन भेज दिया था।

मोवीन सरदार (ठाकुरद्वारा) के रहने वाले हैं। 26 जनवरी 2020 को ओमान से लौटे थे। पता तो दूर मोबाइल से भी नहीं ट्रेस हुए। हनी सिंह (न्यू फेंड्स कॉलोनी) 20 मार्च 2020 को लौटने के बाद नहीं मिले। सफी अहमद (बिलारी तहसील के महमूदपुर माफी गांव) की 21 मार्च को ओमान से लौटने के बाद लोकेशन नहीं पता चली है। जांच में पता चला है कि पुलिस सत्यापन में इन सभी लोगों ने स्थायी पते की जानकारी नहीं दी थी। जो फोन नंबर दिए गए थे, वे भी बंद चल रहे हैं। पते फर्जी होने की आशंका के चलते पुलिस इन्हें संदेह की नजर से देख रही है।

जनपद से जो भी लोग विदेश या दूसरे राज्यों में गए थे, लगभग सभी को सर्विलांस के माध्यम से ट्रैक कर लिया गया है। 129 लोग ऐसे हैं, जिनका पासपोर्ट तो मुरादाबाद जिले के नाम से जारी हुआ लेकिन, ये लोग दर्ज पते पर नहीं मिले हैं। पुलिस की जांच में पता चला है कि अब ये सभी लोग जिले को छोड़कर चले गए हैं। इन लोगों की पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

-राकेश कुमार सिंह, जिलाधिकारी

पासपोर्ट में स्थायी और अस्थायी पता देना अनिवार्य है। थाना के साथ ही एलआइयू की रिपोर्ट मांगी जाती है। पासपोर्ट में दर्ज पता दस साल के लिए होता है। अगर प्रशासन के द्वारा जानकारी मांगी जाएगी तो हम उन लोगों के दस्तावेजों की जांच कर सही जानकारी उपलब्ध करा सकते हैं।

-मोहम्मद नसीम, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी, बरेली

ड्यूटी से गायब रहने पर बिहार में 198 चिकित्सा पदाधिकारियों को नोटिस

राज्य ब्यूरो, पटना : कोरोना संकट के दौरान बिहार में तमाम अवकाश रद रहने के बाद भी ड्यूटी से गायब रहने एवं अन्य लापरवाही के आरोप में 198 चिकित्सा पदाधिकारियों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। इनमें से 76 पदाधिकारियों से तीन दिन के अंदर जवाब मांगा गया है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य विभाग ने 16 जिलों में भी नए सिविल सर्जन तैनात किए हैं। नए सिविल सर्जनों को तैनात करने की अधिसूचना जारी कर दी गई है। हाल ही में पहले 60, इसके बाद 62 और अंत में 76 चिकित्सा पदाधिकारी कोरोना संकट के दौरान सेवा से गायब मिले। राज्य सरकार ने इसे घोर लापरवाही माना है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी नोटिस के अनुसार इन अफसरों पर डिजास्टर मैनेजमेंट एक्ट, 2005 एवं एपिडेमिक डिजीज एक्ट, 1897 की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

मुंबई के दो निजी अस्पतालों को सील किया गया

मुंबई, प्रेट्र : डॉक्टरों और नर्सों समेत मेडिकल स्टाफ के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद मुंबई के दो निजी अस्पतालों को सील कर दिया गया है। बीएमसी के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि मुंबई सेंट्रल के वॉकहार्ट अस्पताल में 3 डॉक्टरों और 26 नर्सों को कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। वायरस का संक्रमण रोकने के लिए सभी सुविधाओं को सील कर दिया गया है। किसी को अंदर जाने या बाहर आने की इजाजत नहीं है।

अस्पताल में कई नर्सें केरल की हैं। राज्य कांग्रेस के नेता रमेश चेन्निथला ने ट्वीट किया कि महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे से बात हुई। उनसे मलयाली नर्सों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

इसके अलावा जसलोक अस्पताल में कम-से-कम एक कर्मचारी के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद नए मरीजों की भर्ती रोक दी गई है और ओपीडी को बंद कर दिया गया है। हालांकि, अस्पताल में काम करने वाली एक नर्स का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उसने एक से अधिक कर्मचारी के कोरोना पॉजिटिव होने की बात कही है।

▸ वॉकहार्ट अस्पताल में किसी को अंदर जाने या बाहर आने की इजाजत नहीं

▸ जसलोक अस्पताल में नए मरीजों की भर्ती पर रोक और ओपीडी को बंद किया गया

पुणे में एक अस्पताल के 92 कर्मियों को क्वारंटाइन किया गया

पुणे, प्रेट्र : डीवाई पाटिल अस्पताल के 92 कर्मचारियों को क्वारंटाइन कर दिया गया है। इनमें कई डॉक्टर भी शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के शिकार एक व्यक्ति का इलाज अस्पताल में किया जा रहा था। उसका कोरोना टेस्ट पॉजिटिव आया। इसके बाद इन कर्मचारियों को क्वारंटाइन करने का फैसला लिया गया। एक अन्य अधिकारी ने दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति का तब्लीगी जमात से प्रत्यक्ष या परोक्ष संबंध होने से इन्कार किया है।

फिल्म निर्माता करीम मोरानी की दोनों बेटियां कोरोना पॉजिटिव

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : गायिका कनिका कपूर के बाद अब चेन्नई एक्सप्रेस, दिलवाले, हैप्पी न्यू ईयर और रा.वन जैसी फिल्मों के सहनिर्माता करीम मोरानी की दोनों बेटियां शजा और जोया मोरानी कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गई हैं। इस खबर की पुष्टि करीम मोरानी ने खुद की है।

मुंबई के जुहू इलाके में रहने वाले करीम मोरानी का परिवार फिलहाल क्वारंटाइन में है। उस इलाके में कई फिल्मी सितारे रहते हैं। परिवार के बाकी सदस्यों की कोरोना संक्रमण की रिपोर्ट आनी बाकी है। शजा मोरानी को मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जोया भी वहीं भर्ती हैं। शजा और जोया दोनों को अस्पताल के आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। शाह रुख खान के करीबी करीम मोरानी ने बताया कि जोया की पहली रिपोर्ट निगेटिव आई थी, लेकिन अब उसकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। उनका परिवार इस वक्त काफी परेशान है। वह खुद काफी थके हुए हैं। बताया जा रहा है कि जुहू में शगुन नाम की जिस बिल्डिंग में यह परिवार रहता है, उसे सील कर दिया गया है।

एहतियात...

कोरोना वायरस से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थलों को सैनिटाइज किया जा रहा है। इसी क्रम में मुंबई में सोमवार को शिवसेना विधायक दिलीप लांडे ने सोमवार को एक शिवमंदिर में भी सैनिटाइजर छिड़का। एएनआइ

शब-ए-बरात में कब्रिस्तान न जाएं, पूर्वजों के लिए घर से करें दुआ

जासं, पटना सिटी : 9 अप्रैल को शब-ए-बरात है। इस दिन मुस्लिम पूर्वजों की मजार पर चादर चढ़ाने और दुआ करने के लिए कब्रिस्तान पहुंचते हैं। कोरोना को लेकर लागू लॉकडाउन के नियम एवं शर्तों का अनुपालन करते हुए कोई मुसलमान इस दिन कब्रिस्तान नहीं जाएंगे। कहीं कोई कार्यक्रम भी आयोजित नहीं होगा।

शाहगंज कब्रिस्तान कमेटी समेत पटना स्थित सभी कब्रिस्तान की कमेटियों ने कहा है कि शब-ए-बरात की रात कब्रिस्तान में ताला लगा होगा। इसी कड़ी में बिहार राज्य सुन्नी और शिया वक्फ बोर्ड के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी ने अपील जारी की है। उन्होंने कहा कि लोग घरों में रहें। घर में ही इबादत कर पूर्वजों के लिए दुआ करें। वहीं आलिम व इस्लामिक शिक्षाविदों ने इबादत के साथ कोरोना को देश-दुनिया से खत्म करने एवं सभी इंसानों की जिंदगी को महफूज करने के लिए अल्लाह से विशेष दुआ मांगने की अपील की है।